



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 24, 1975/माघ 4, 1896

No. 17]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 24, 1975/MAGHA 4, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

### NOTIFICATION

#### CUSTOMS

New Delhi, the 24th January 1975

G.S.R. 18(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 19 of the Finance Act, 1974 (20 of 1974), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts barges which are imported along with ships carrying imported goods for the more speedy unloading of the imported goods and loading of export goods from:—

- (i) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934); and
- (ii) the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. G.S.R. 227(E) (No. 37-Customs) dated 11th May, 1974,

Subject to the following conditions, namely:—

- (a) that the importer makes a declaration at the time of import that the barges would be re-exported;
- (b) that the barges are re-exported within two months of the date of importation or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (c) that the barges are re-exported by the same ship which brought them or by any other ship under the same shipping agency within the period specified under condition (b):

Provided that the importer executes a bond in such form and for such sum as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs, binding himself to pay that sum if the re-export does not take place within the period specified under condition (b).

[No. F. 355/90/74-Cus. I]  
B. C. RASTOGI, Dy. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1975

सां. कां. निं. 18(अ).—वित्त अधिनियम, 1974. (1974 का 20) की धारा 19 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, ऐसे बाजों को जिनका अधिक द्रुत गति से आयातित माल को उतारने तथा निर्यातित माल को लादने के लिए आयातित माल का बहत् करने वाले पोतों के साथ आयात किया जाता है,

निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अर्थात् :—

- (क) कि आयातकर्ता आयात के समय यह घोषणा करता है कि बाजें पुनः निर्यात कर दी जाएंगी ;
  - (ख) कि बाजें ऐसे आयात की तारीख से दो मास के भीतर अथवा ऐसी दधित अवधि के भीतर जो सहायक सीमा शुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे पुनः निर्यात कर दी जाती है; और
  - (ग) कि बाजें उसी पोत द्वारा जो उसे लाया था अथवा उसी नौबहत अभिकरण के किसी अन्य पोत द्वारा शर्त (ख) के अधीन विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर पुनः निर्यात कर दी जाती है :
- (1) भारतीय टारिफ अधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम अनुसूची के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सीमा शुल्क ; और
  - (2) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की तारीख 11 मई, 1974 की अधिसूचना सं० सां. कां. निं. 227 (ई) (सं० 37-सीमा शुल्क) के अधीन, उन पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क के समस्त सहायता शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि आयातकर्ता ऐसे प्ररूप में और ऐसी राशि का, यदि शर्त (ख) के अधीन विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर पुनर्निर्यात नहीं किया जाता है, संदाय करने के लिये जैसा कि सहायक सीमा शुल्क कलक्टर विहित करे, स्वयं को आबद्ध करते हुये एक बन्धपत्र निष्पादित करे।

[सं० फा० 355/90/74-सीमा-I]

ब० ब० रस्तोगी, उप सचिव।